



Cv

20 Jan 2026

10:41 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120985802

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 20/01/2026  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 10:41:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 08:36:30 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 10:19:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:10:57 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 18:18:16 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:14:24 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:50:12 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:35:48 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 05:55:23 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 12:17:43 मीन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मकर - शनि  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: श्रवण - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: सिद्धि  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: वानर  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: मार्जार  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: खो-खोकरन  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: कुम्भ

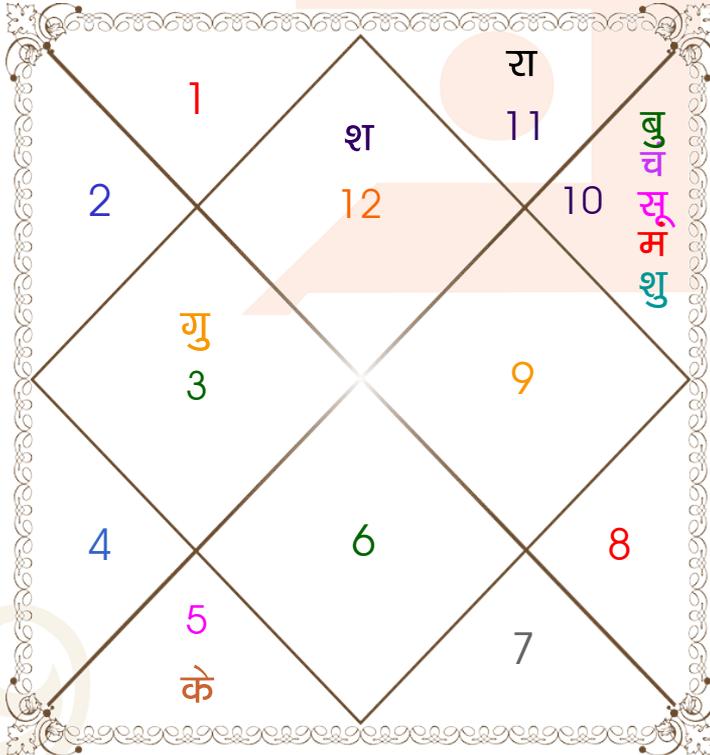
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:17:43	513:32:38	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			मक	05:55:23	01:01:05	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मक	22:02:28	12:45:24	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	अ	मक	03:18:30	00:46:41	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि	
बुध	अ	मक	04:58:40	01:39:59	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि	
गुरु	व	मिथु	24:34:18	00:07:48	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि	
शुक्र	अ	मक	09:09:15	01:15:25	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि	
शनि			मीन	03:19:58	00:05:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व	कुंभ	16:55:50	00:03:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि	
केतु	व	सिंह	16:55:50	00:03:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि	
हर्ष	व	वृष	03:19:59	00:00:46	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---	
नेप			मीन	05:37:16	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:05:50	00:01:55	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	09:58:15	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

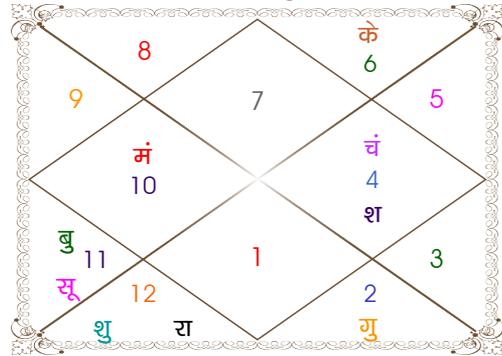
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 11 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
20/01/2026	09/01/2027	09/01/2034	09/01/2052	09/01/2068
09/01/2027	09/01/2034	09/01/2052	09/01/2068	09/01/2087
00/00/0000	मंगल 07/06/2027	राहु 21/09/2036	गुरु 26/02/2054	शनि 12/01/2071
00/00/0000	राहु 25/06/2028	गुरु 14/02/2039	शनि 09/09/2056	बुध 21/09/2073
00/00/0000	गुरु 31/05/2029	शनि 21/12/2041	बुध 16/12/2058	केतु 31/10/2074
00/00/0000	शनि 10/07/2030	बुध 10/07/2044	केतु 21/11/2059	शुक्र 31/12/2077
00/00/0000	बुध 07/07/2031	केतु 28/07/2045	शुक्र 22/07/2062	सूर्य 13/12/2078
00/00/0000	केतु 04/12/2031	शुक्र 28/07/2048	सूर्य 11/05/2063	चंद्र 13/07/2080
20/01/2026	शुक्र 02/02/2033	सूर्य 22/06/2049	चंद्र 09/09/2064	मंगल 22/08/2081
शुक्र 10/07/2026	सूर्य 10/06/2033	चंद्र 22/12/2050	मंगल 16/08/2065	राहु 28/06/2084
सूर्य 09/01/2027	चंद्र 09/01/2034	मंगल 09/01/2052	राहु 09/01/2068	गुरु 09/01/2087

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
09/01/2087	10/01/2104	10/01/2111	10/01/2131	09/01/2137
10/01/2104	10/01/2111	10/01/2131	09/01/2137	00/00/0000
बुध 07/06/2089	केतु 07/06/2104	शुक्र 11/05/2114	सूर्य 29/04/2131	चंद्र 10/11/2137
केतु 04/06/2090	शुक्र 07/08/2105	सूर्य 12/05/2115	चंद्र 29/10/2131	मंगल 11/06/2138
शुक्र 04/04/2093	सूर्य 13/12/2105	चंद्र 09/01/2117	मंगल 05/03/2132	राहु 11/12/2139
सूर्य 08/02/2094	चंद्र 14/07/2106	मंगल 12/03/2118	राहु 28/01/2133	गुरु 11/04/2141
चंद्र 11/07/2095	मंगल 10/12/2106	राहु 11/03/2121	गुरु 16/11/2133	शनि 10/11/2142
मंगल 07/07/2096	राहु 29/12/2107	गुरु 10/11/2123	शनि 29/10/2134	बुध 10/04/2144
राहु 24/01/2099	गुरु 04/12/2108	शनि 10/01/2127	बुध 04/09/2135	केतु 10/11/2144
गुरु 02/05/2101	शनि 13/01/2110	बुध 10/11/2129	केतु 10/01/2136	शुक्र 21/01/2146
शनि 10/01/2104	बुध 10/01/2111	केतु 10/01/2131	शुक्र 09/01/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 11 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमें आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते हैं कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते हैं तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी हैं तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकें। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करें। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूँ। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते हैं। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यजनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते हैं तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।